कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) ....

(In Words) ....

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ....

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय चित्रकला

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 30-3-19

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर.................संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है।165/2019

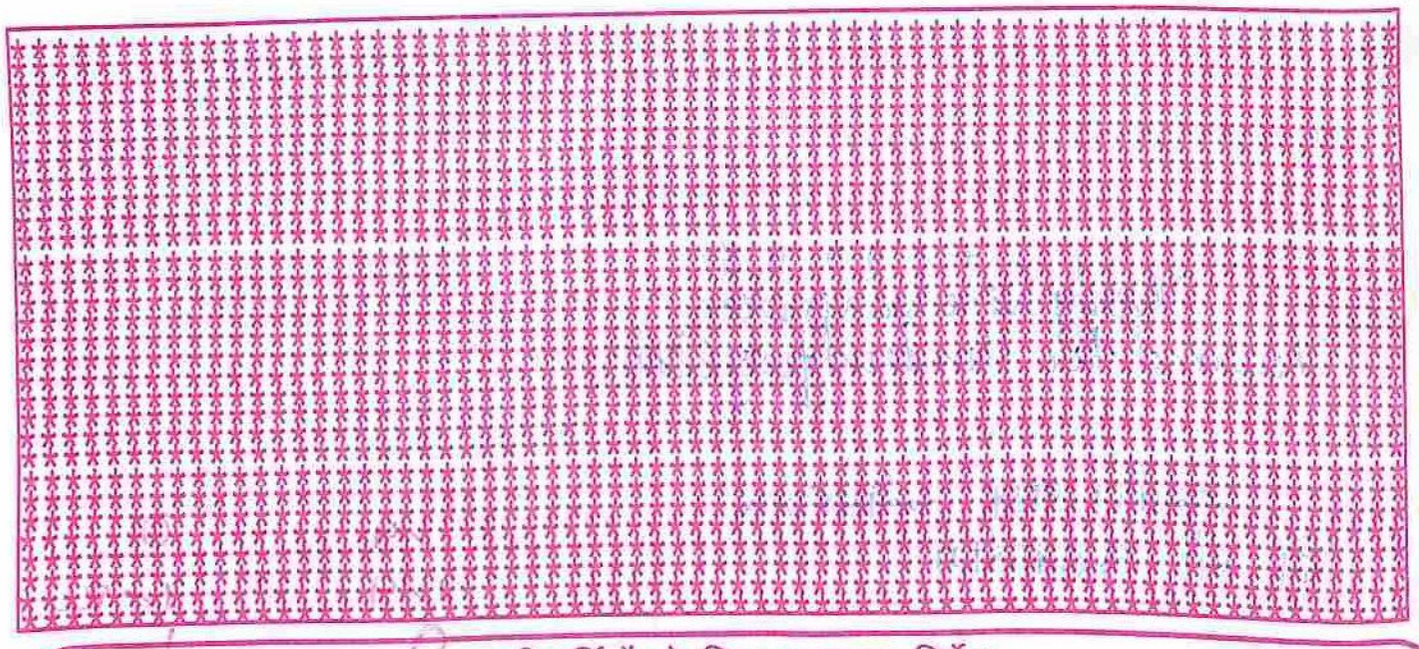

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहियें। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तकें, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Answer's

Ans =1 'सलीम का जन्म' चित्र केशु द्वारा चित्रित किया गया है।

Ans =2 मजनू का जन्म ।

Ans =4 रावण और जटायु चित्र के चित्रकार राजा रवि वर्मा है।

Ans =5 दिल्ली शिल्पी चक्र समूह की स्थापना 25 मार्च 1949 मे की गई ।

Ans =6 'फूल बेचने वाली' यह कृति नारायण श्रीधर बेन्द्रे की है।

Ans =7 ए. रामचन्द्रन के आकर्षक चित्र का शीर्षक कमल सरोवर है।

Ans =9 भूर सिंह शेखावत के दो चित्र :-

(i) सूत कातते हुए ।

(ii) चक्की चलाते हुए ।

परीक्षक द्वारा | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

Ans = 10 मोर का चितेरा देवकीनन्दन शर्मा को कहा जाता है।

Ans = 11 मिल-कॉल मूर्तिशिल्प राम किंकर बैज द्वारा बनाया गया है।

Ans = 12 शंखो चौधरी का विख्यात मूर्तिशिल्प टॉयलिट है।

Ans = 13 विमलशाही मन्दिर देलवाड़ा मे है, इसका निर्माण 1031 मे विमलशाह ने करवाया था।

Ans = 14 कलकत्ता कला समूह की स्थापना प्रदोष दासगुप्ता एव निरोदमजुमदार द्वारा की गई थी।

Ans = 17 देवी प्रसाद राय चौधरी के दो मूर्तिशिल्प =
(1) शहीद स्मारक
(2) श्रम की विजय।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

Ans=19 राम जैसवाल के दो ~~मूर्तिशिल्प~~ – प्रमुख चित्र :-
(i) आंगन मे दोपहरी
(ii) ~~ग्वालियर~~ गोमती नदी के तट

Ans=20 गोपीचन्द मिश्रा के दो मूर्तिशिल्प :-
(i) माँ और शिशु
(ii) शिव ताण्डव ।

Ans=22 कम्पनी शैली के प्रमुख केन्द्र :- ~~के~~ पटना कोलकाता अवध मद्रास आदि है।

कम्पनी शैली के प्रमुख चित्र :- थॉमस डेनियल विलियम डेनियल विलियम होजेज चार्ल्स डी ओली बालथाजार सोलाविन्स ~~एमिली~~ ~~इडेन~~ ऐमिली इडेन जेम्स फरग्युसन विलयम सिमसिम ~~का~~ मादाम बेलनोस , भारतीय चित्रकारो मे शिवलाल गोविन्द, रामकिशन, सीताराम ~~आदि~~ है।

Ans 23 मृणालिनी मुखर्जी के मूर्तिशिल्पो के शीर्षक :-
(i) वन राजा (1991-1994)
(ii) वाटरफॉल (1975)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(III) पुष्प ऑफ कुमोन (1991)
(IV) पापस्कोप
(V) शृंखला (2015)

Ans 25 उषा रानी हुजा का जन्म 18 मई 1923 को दिल्ली मे हुआ था।

Ans = 21 दक्षिणी का शैली का परिचय :-

* दक्षिणी शैली का उद्भव नर्मदा व तुंगभद्रा के बीच हुआ था।
* दक्षिणी शैली मे सर्वप्रथम दो राज्यो का विकास हुआ
* दक्षिणी शैली मे 1836 मे विजयनगर की स्थापना हुई इसके बहमनी सम्राज का विकास हुआ।
* विजयनगर की स्थापना हरिहर एव बुक्का नामक दो भाईयो ने की थी। तथा बहमनी की स्थापना सुल्तान अलाउद्दीन बहमन शाह ने की इसी के नाम पर इसका बहमनी नाम पड़ा
* दक्षिणी शैली का बिकास कृष्णा से कावेरी तथा बंगाल की खाडी से अरब सागर का हुआ

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

* दक्षिणशैली के लेपाक्षी वीरभद्र मन्दिर मे भित्ति चित्रों का निर्माण किया गया है।
* 1490 मे दक्षिण शैली मे पांच नई सतनतो का उदय हुआ
(i) अमदनगर, बीजापुर, गोलकुण्डा, बीदर, बीरार।
* पांचो ने मिलकर विजनगर साम्राज्य को नष्ट कर दिया और बीदर एव बीरार को अधीन दिया।
* दक्षिणशैली मे अब तीन प्रमुख शैली है। (i) अहमदनगर बीजापुर गोलकुण्डा।
* दक्षिण शैली पर दक्षिणी ईरानी तथा अरेबियन शैली का प्रभाव पड़ा है।
* दक्षिणशैली प्रमुख विशेषता ऊचा गोलाकार क्षितिज है।
* अहमदनगर :-
इसकी स्थापना युसुफ आदिलशाह ने की थी। पुत्र मुर्तजा ने अपने पिता की प्रशंसा मे तारीफ-ए-हुसैन शाही ग्रन्थ चित्रित करवाया। जिसपर नियमतनामा शैली का प्रभाव पड़ा।

अहमदनगर शैली का प्रमुख चित्र राग हिंडोल है।

मुर्तजा के छोटे भाई बुरहान ने अकबर की सहायता से सत्ता हासिल की।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

* बीजापुर :-
इसकी स्थापना सुल्तान हुसैन निजाम शाह ने की थी।
अलिआदिलशाह प्रथम की पत्नी बेगम ~~चक्द~~ चाँद सुल्तान थी इसने नुजुम-अूल - उलूम ग्रन्थ की रचना की जो खगोल विद्या पर आधारित है।

प्रमुख चित्र :- हाथियों की लड़ाई, चाँद बीबी पोलो खेलते हुए

* गोलकुण्डा :- इसकी स्थापना 1550 में ~~[illegible]~~ कुली कुतुबशाह द्वारा की गई थी

* पुत्र मोहोम्मद कुली कुतुबशाह द्वारा हैदराबाद को अपनी राजधानी बनाया

कुली कुतबशाह ने ~~[illegible]~~ तुजुक-ए-~~[illegible]~~ आसफी ग्रन्थ की रचना की

~~[illegible]~~ दक्षिण बोली के प्रमुख ~~[illegible]~~ चितकार मीरहासिम और रहीम थे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Ans 24 चौमुखा मंदिर :-

इस मन्दिर को आदिनाथ मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस मन्दिर की स्थापना रत्नाशाह एव धरणाशाह द्वारा की गई थी। इस मन्दिर मे चार प्रवेश द्वार है। चौमुखा मन्दिर जैन तीर्थंकर आदिनाथ को समर्पित है। इसके गर्भगृह मे आदिनाथ की मूर्ति बनी हुई है। मन्दिर के गर्भ गृह के सरदल पर विष्णु की मूर्ति बनी हुई है। मन्दिर के प्रवेश द्वार पर दो सिंह दो गजो पर आक्रमण करते दर्शाया गया है। मन्दिर के एक जगह दो सिंह बनाए गये जिन्हे पंजाब सरकार ने राज्य चिन्ह घोषित कर दिया। चौमुखा मन्दिर मे रंगमण्डप, गर्भगृह बना हुआ है।

Ans=26 मुगल कला के विषयो का उल्लेख :-

मुगल काल मे अनेक विषयो से सम्बंधित चित्र बने है। जो निम्न है।

(i) दरबारी शान शौकत :-

मुगल कला मे दरबारी शान शौकत के चित्र बने है। जिसमे राजा के दरबार की सज्जा का कार्य किया गया है तथा बेल बूटो का निर्माण किया गया है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ii) आखेट दृश्य :-
मुगल काल मे राजा जब शिकार पर जाते थे तो चित्रकार अपने साथ रखते थे। तथा जिस पशु का शिकार करते थे उस पशु का चित्र बनाते है।

(iii) युद्ध सम्बंधी चित्र :-
मुगल कला मे राजा महाराजाओ के द्वारा युद्ध मे पराजित हो या विजय मिले लेकिन वो विशेष युद्ध से सम्बंधित चित्र बनवाते थे।

(iv) राजा महाराजाओ के व्यक्ति चित्र :- मुगल मे विशेष राजा महाराजाओ के चित्र भी बनाये गये है। मुगल वंश के राजा अपने साथ हमेशा चित्रकार रखते थे। इसके अलावा रात्रिकालीन चित्र आदि प्रमुख विषय रहे।

Ans - 28 पहाडी चित्र शैली की सामान्य विशेषताए :-
* पहाडी शैली का उद्भव एव विकास 18 वी शताब्दी के उतरार्द्ध मे हुआ।

* पहाडी चित्रो की खोज मेटकाफ द्वारा कागला मे गई।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

* आनन्द कुमार स्वामी द्वारा पहाड़ी चित्र शैली को दो भागों में बांटा है।
(i) उत्तरी चित्रमाला, (ii) दक्षिणी जम्मू।

* पहाड़ी शैली में प्रमुख दो शैलियां है पहली बसोहली व दूसरी कांगड़ा शैली है।

* पहाड़ी चित्र शैली में अनेक उपशैलियां है जो निम्न : कांगड़ा बसोहली चम्बा, गुलेर नूरपुर कुल्लू मण्डी जम्मू, कश्मीर आदि।

* पहाड़ी चित्र शैली में लाल रंग से हाशिये बनाये गये है। तथा सफेद रंग से टाकरी लिपी में लेख लिखे गये है।

* पहाड़ी चित्रों में मकानों की दिवारे सफेद रंग से बनाई गई है।
* पहाड़ी चित्र शैली में क्षितिज रेखा का अंकन थोड़ा ऊपर किया गया है।

* पहाड़ी शैली वैष्णव धर्म से सम्बंधित है इसमें राधा कृष्ण का अंकन भी मिलता है।

* पहाड़ी चित्र शैली के प्रमुख चित्रकार :
नैनसुख, परखु, फत्तू आदि। खुशाला,

* पहाड़ी शैली की उपशैली कांगड़ा शैली पर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

~~मुगल~~ मुगल शैली का सर्वाधिक प्रभाव पड़ा है।

Ans = 29 मेवाड़ शैली का परिचय :-

* मेवाड़ शैली राजस्थान की प्रारम्भिक शैली है।
* मेवाड़ शैली का उद्भव मेरु या मेदपाट मे हुआ।
* मेवाड़ शैली के प्रथम शासक उदय ~~व~~ सिंह थे जिन्होने ~~1559~~ ~~1568~~ 1559 मे उदयपुर की स्थापना की।
* 1572-1597 तक महाराणा प्रताप ~~के~~ मेवाड़ के शासक बने।
* महाराणा प्रताप ने ~~चावण्ड~~ चावण्ड को अपनी राजधानी बनाया।

* 1597-1622 जगत ~~वीर~~ सिंह ~~का~~ शासक बने। इसके समय मे 1605 मे ~~निसारदीन~~ शाहबुद्दीन द्वारा ~~रा~~ रागमाला चित्रित की गई।

* रुकनुद्दीन द्वारा भागवत पुराण चित्रित की गई तथा पीले कायम द्वारा 18 वी शताब्दी के चित्र बनाये गये।

मेवाड़ शैली के चित्रों के विषय है-

1. हिन्दु धार्मिक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पौराणिक विषय बारमासा, रागमाला, नायक-नायिका भेद, तद्धुसंहार, गीतगोविन्द, भागवत पुराण रामायण महाभारत आदि रहे है।

* मेवाड शैली के प्रमुख चित्रकार :-
शाहबुद्दीन, निसारुद्दीन, मुकुन्द, रघुनाथ, अमरा, जीवा, ~~नखनपु~~ मनोचन्द, शिवलाल मरु आदि है।

* मेवाड शैली की विशेषता :-
मेवाड शैली धार्मिक तथा सामाजिक विषयों से सम्बंधित चित्र अधिक बने है।

* मेवाड शैली में नारी ~~चित्र की~~ आकृतियों में छोटा पतली कमर, वक्षस्थल बाहर निकला हुआ। गोलमुख तथा ~~लम्बी बस्त्र~~ लम्बा वस्त्र पहने हुए है।

* पुरुष आकृति में उभरा हुआ ललाट ऊंचा कद, मोटे होठ व तीखा तीरछी गर्दन एवं जामाजामा पहने मुगल प्रभाव को दर्शाता है।

* मेवाडी शैली राजस्थान की प्रारम्भिक शैली मानी जाती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

Ans = 30 अवनीन्द्रनाथ टागौर की कला पर निबन्ध

* अवनीन्द्रनाथ टगौर का जन्म 1817 मे कोलकता के जोरासाको गाव मे हुआ।

* अवनीन्द्रनाथ ने अपनी कला शिक्षा गिलहार्डी नामक चित्रकार से ली थी।

* जापानी वाश पद्धति (प्रक्षालन) योकोहामा ताईकान व हिसीदा से सीखी थी।

* अवनीन्द्र नाथ द्वारा भारतीय शैली मे बना प्रथम चित्र शुक्लाभीसार है।

* अवनीन्द्र नाथ के पिता गिरीन्द्रनाथ दादा गिरीन्द्रनाथ तथा चाचा रवीन्द्रनाथ एक कलाकार थे।

प्रमुख चित्र :- सामान्य जीवन से सम्बंधित चित्र : ग्रामीण बालाए हाट बजार पशु-पक्षी आदि

अवनीन्द्रनाथ द्वारा बंगाल शैली का सूत्रपात किया था इसे टगौर शैली के नाम से भी जाना जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1895-1900 ई. के मध्य बनाये गये चित्र :- राधा कृष्ण शंख भरवला, चन्डीदास, आदि।

अवनीन्द्रनाथ ने अपने बड़े भाई गगेन्द्रनाथ के साथ मिलकर कलकत्ता आर्ट सोसायटी की स्थापना की।

* अवनीन्द्र नाथ का प्रमुख चित्र :- 1905 मे बंगाल विभाजन के विरुद्ध बनाया गया भारत माता नामक चित्र है।

* अवनीन्द्रनाथ टैगोर ने वाश पद्धति, टेम्परा पद्धति आदि माध्यमो द्वारा चित्र बनाए।

* वाश पद्धति मे बने चित्र = गंगा जननी

* ग्रामीण जीवन सम्बंधित चित्र : लोकदेवी कुष्ठा कजरी सूर्यपूजा बंगाल रंगमंच के अभिनेता आदि।

* टेम्परा माध्यम मे बने चित्र :- लैला मजनू शिव ताण्डव, गांधीजी, टैगोर, गुरुशाह, औरंगजेब आदि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अवनीन्द्रनाथ के चित्र रवीन्द्रनाथ की पुस्तक चित्रांगदा पर आधारित है। बंगाल शैली के उद्भव एवं विकास में अवनीन्द्रनाथ टैगोर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

Ans = 16 राजस्थान के पद्मश्री से सम्मानित दो चित्रकार :-
(i) रामगोपाल विजयवर्गीय
(ii) कृपाल सिंह शेखावत

Ans = 18 द्वारका प्रसाद शर्मा का जन्म 1899 में कोटा में हुआ।

Ans 17. महाबलीपुरम स्थापत्य पर टिप्पणी :-
महाबलीपुरम स्थापत्य धार्मिक बना है। ये स्थापत्य द्रविड शैली में निर्मित है। द्रविड शैली में निर्मित मन्दिरों को पाल्लव शैली या रथ पगोडा के नाम से जाना जाता है।

* महाबलीपुरम के प्रमुख मन्दिर (सात पगोडा) हैं। (i) सप्तरथ नाम से जाना जाता है।
सातरथो में प्रमुख रथ • पाच पाण्डव रथ
भी अर्जुन रथ, द्रौपदी रथ

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

की महाबलीपुरम मे भीम रथ सहदेवरथ की छते पिरामिडनुमा शैली मे बनाई गई है।

* महाबलीपुरम के मन्दिर बलुआ पत्थर से निर्मित है।

महाबलीपुरम को मे गुर्जर प्रतिहार शैली मे मे भी मन्दिरो का निर्माण हुआ है। नीलकंठेश्वर सोमेश्वर आदि।

मेरुशैली मे बने चित्र :- वैकुण्ठपेरुमल मन्दिर सप्तरथ मन्दिर है।

Ans = 15 (i) कृष्ण खन्ना
(ii) B.S गायकोंडे।

Ans = 8 कारीगरी कृष्ण दरबार के।

Ans = 3 बंगाल शैली से सम्बंधित है।